AI-1041 CV-19

B.A. Part-II

Term End Examination, march-2021

Sanskrit Literature

Paper-II

Maximum Marks- 75

Time:- Three Hours | Minimum Passing marks- 25

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

इकाई–1 / Unit-1

नोटः सुवाच्य अक्षरों में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 15

अ. आस्वादवदिभः कवलैस्तृणानां,
कण्डूयनैर्दंनिवारणैश्चः।
अव्याहतैः स्वैरगतैः स तस्याः,
सम्राट समाराधनतत्परोऽभूत।।

ब. इत्थं व्रतं धरयतः प्रजार्थं,
समं महिष्या महनीयकीर्तेः।
सप्तव्यतीयुस्त्रिगुणानि तस्य,
दिनानि दीनोद्धरणोचितस्य।।

स. निशम्य देवानुचरस्य वाचं,
मनुष्यदेवः पुनरप्युवाच।
धेन्वा तदध्यासितकातराक्ष्या,
निरीक्ष्यमाणः सुतरां दयालुः।।

ख. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 10

अ. स पाटलायां गवि तस्थिवांसं,
धनुर्धरः केसरिणं ददर्श।
अधित्यकायामिव धातुमय्यां,
लोध्रद्रुमं सानुमतः प्रफुल्लम्।।

ब. स त्वं निवर्तस्व विहाय लज्जां,
गुरोर्भवान्दर्शित शिष्यभक्तिः।
शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्षं,
न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोति।।

इकाई–2 / Unit-2

2. महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

रघुवंश द्वितीय सर्ग का कथासार लिखिए।

इकाई–3 / Unit-3

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए 20

अ. लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्,
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपिपर्यटज्छशविषाण मासादयेत्,
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजन चित्तमाराधयेत्।।

ब. लाड.ल चालनमधश्चरणावपातं,
भूमौ निपत्यवदनोदर दर्शनं च।
श्वा पिण्डदस्य कुरूते गजपुङ्गवस्तु,
धीरं विलोकयति चाटुशतैश्च भुङ्क्ते।।

स. विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा,
सदसिवाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरूचिव्यसनं श्रुतौ,
प्रकृति सिद्धमिदं हि महात्मनाम्।।

इकाई–4 / Unit-4

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यों का परिचय दीजिए। 10

अ. अभिज्ञानशकुन्तलम् ब. मुद्राराक्षसम् स. हर्ष चरितम् द. शिशुपाल वधम्

इकाई–5 / Unit-5

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 10

अ. नलचम्पू ब. भामिनीविलास स. गीत गोविन्दम् द. कथामुक्तावली